आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:06-12-14

जन्म-जन्मांतर की भक्ति से थकी हुई आत्माओं को परमातम प्यार से विश्राम देने वाले प्यार-सागर बाप ने कहा, मीठे बच्चे - शिवबाबा की गोद में आते ही तुम्हें कितना विश्राम मिलता है. विश्राम माना ही आत्मा को शांति और सुख का अनुभव होना. बाप की याद से भी कितने रिफ्रेश होते है और साथ में आत्मा भी तमोप्रधान से सतोप्रधान बनती जाती हैं.

जिस परमात्मा को पाने के लिए हमने भक्ति में कितना भटके हैं, एक थोड़ा सा उनका दर्शन हो जाये यही अभिलाषा लेकर कितनी तकलीफ़ उठाते थे. वही प्राणप्यारे-परमपिता-परमात्मा स्वयं आकर अभी हम भाग्यशाली आत्माओं को अपनी गोद में बैठाकर हमारी पालना कर रहा हैं. हमारी आत्मा को सच्चा विश्राम दे रहा हैं. बाबा ने आज मुरली में कहा तुम्हारी आत्मा को अपने घर शांतिधाम और सतयुग दोनों में विश्राम मिलता हैं, लेकिन हम जानते है कि हमें सच्चा विश्राम तो अभी संगमयुग पर बापदादा की गोद में ही मिलता हैं.

बाबा ने आज मुरली में कहा की एक बाप की याद में रहने दो फ़ायदे होते है एक तुम्हारी आत्मा रिफ्रेश होती है और फिर तमोप्रधान से सतोप्रधान बनती जाती हैं. तो आज की मुरली से कुछ ऐसे पॉइन्टस निकालकर पढ़ेंगे जिसे हमारी याद पक्की होती जाये.

- अभी बाप तुम्हें समझाते है देही-अभिमानी भव क्योंकि अपने को आत्मा समझने बिगर परमपिता परमात्मा को याद कर न सके.

- बाबा कहते है इस समय सभी पतित आत्माये हैं. अभी सब पतित मनुष्य आत्माये ही पुकारते हैं - हे पतितो को पावन बनाने वाले आओ. पतित-पावन बाप पतितो के बुलावे पर ही आते हैं. सभी आत्माओं को पावन बनाकर फिर नई पावन दुनिया भी वही स्थापन करते है.

- बाबा कहते है तुम्हारी आत्मा ही बाप को पुकारती है. पारलौकिक बाप जो सदा पावन है, उसे ही सब याद करते हैं. यह है पुरानी दुनिया. बाप नई दुनिया बनाते हैं.

- बाबा कहते है जब तक मनुष्य आत्मा ने अपने बाप को यथार्थ रिती पहचाना नहीं है तब तक वह ताकत आत्मा में आ नहीं सकती. बुद्धि में भी इतनी ताकत नहीं जो बाप को यथार्थ रिती जान सके. बाप ही आकर सबकी बुद्धि का ताला खोलते हैं.

- बाबा कहते है बाप के पास बच्चे रिफ्रेश होने आते हैं. बाप को मिलने से भक्ति मार्ग की सब थकान ही दूर हो जाती है. यहॉ बाप भी तुम्हें रिफ्रेश करते है तो दादा भी करते हैं. शिवबाबा की गोद में आते ही तुम्हें कितना विश्राम मिलता है.

- बाबा कहते है यहॉ तो बाप तुम्हें कितना ज्ञान सुनाकर रिफ्रेश करते हैं. एक बाप की याद से ही तुम्हारी आत्मा रिफ्रेश होती है और फिर तमोप्रधान से सतोप्रधान भी बनती हैं. तुम भी सतोप्रधान बनने के लिए यहॉ बाप के पास आये हो. तो अब बाप कहते हैं मीठे-मीठे बच्चों, बाप को याद करो.

- बाबा कहते है बाप को याद करो तो बाप के वर्से के तुम मालिक बन जायेंगे. इस संगमयुग पर ही बाप आकर नई स्वर्ग की दुनिया रचते हैं. जहॉ तुम जाकर मालिक बनते हो.

- बाबा कहते है तुम बच्चे जानते हो - अभी हम उस बेहद के बाप के बने हैं. बाप बच्चों को गुप्त ज्ञान देते हैं. आत्मा भी गुप्त है, गुप्त ज्ञान आत्मा धारण करती है. आत्मा ही मुख द्वारा ज्ञान सुनाती है. आत्मा ही गुप्त बाप को गुप्त याद करती है.

ॐ शांति.